



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 756]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 8, 1999/अग्रहायण 17, 1921

No. 756]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 8, 1999/AGRAHAYANA 17, 1921

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 8 दिसम्बर, 1999

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि)

(संशोधन) विनियम, 1999

का.आ. 1223(अ).— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :

I. 1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1999 कहा जा सकेगा ।

2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

II. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 (इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियमों के रूप में निर्दिष्ट) में, -

1. विनियम 2 में, खण्ड (म) के लिए निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :

“(म) ‘न्यासियों’ से वह न्यासी बोर्ड या न्यासी कंपनी अभिप्रेत है जो यूनिटधारकों के फायदे के लिए न्यास में पारस्परिक निधि की संपत्ति रखता है ।”

2. विनियम 18 में,

(क) उप-विनियम (11) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:

“(11) प्रत्येक न्यासी प्रतिभूतियों में व्यौहार के उसके संब्यवहारों के व्यौरे पारस्परिक निधि के पास त्रैमासिक आधार पर दाखिल करेगा।”

(ख) उप-विनियम (15) में, खण्ड (घ) में, विद्यमान परंतुक के पश्चात् और स्पष्टीकरण के पूर्व निम्नलिखित परंतुक अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

“परंतु यह और कि असीमित अवधि वाली स्कीम के मामले में, यूनिटधारकों की सहमति आवश्यक नहीं होगी यदि :

- (i) मूलभूत लक्षण में परिवर्तन यूनिटों के आबंटन की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् किया जाता है।
- (ii) यूनिटधारकों को व्यक्तिगत संसूचना भेजते हुए मूलभूत लक्षण में प्रस्तावित परिवर्तन के बारे में सूचित किया जाता है और राष्ट्रव्यापी परिचालन वाले अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में तथा प्रदेश जहाँ पारस्परिक निधि का प्रधान कार्यालय स्थित है की भाषा में प्रकाशित समाचारपत्र में विज्ञापन दिया जाता है।
- (iii) यूनिटधारकों को वर्तमान शुद्ध आस्ति मूल्य पर निकास करने का विकल्प बिना किसी निकास-भार के दिया जाता है।

(ग) उप-विनियम (24) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम (25), (26) और (27) अन्तःस्थापित किये जाएँगे, अर्थात् :

“(25) न्यासी निम्नानुसार सम्यक् तत्परता बरतेंगे :

क. साधारण सम्यक् तत्परता :

- (i) न्यासी आस्ति प्रबंध कंपनी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति सोच-समझ कर करेंगे।
- (ii) न्यासी आस्ति प्रबंध कंपनी के चालू रहने की वाछंनीयता का पुनर्विलोकन करेंगे यदि स्कीमों में से किसी में पर्याप्त अनियमितताएँ देखी जाती हैं और आस्ति प्रबंध कंपनी को नयी स्कीमें चालू करने के लिए अनुज्ञात नहीं करेंगे।
- (iii) न्यासी सुनिश्चित करेगा कि न्यास संपत्ति उचित व्यक्तियों द्वारा और ऐसे व्यक्तियों की उचित संख्या द्वारा समुचित रूप से संरक्षित, धारित और प्रशासित है।

- (iv) न्यासी सुनिश्चित करेगा कि सभी सेवा प्रदाता बोर्ड या संबद्ध विनियामक प्राधिकरण से समुचित रजिस्ट्रीकरण धारण करते हैं ।
- (v) न्यासी सेवा संविदाओं की सांकेतिक परीक्षाओं के लिए इंतजाम करेंगे ।
- (vi) न्यासी पारस्परिक निधि में किन्हीं विशेष उद्घटनाओं की रिपोर्ट बोर्ड को तुरंत करेंगे ।

ख. विनिर्दिष्ट सम्यक् तत्परता :

न्यासी :

- (i) न्यासियों द्वारा नियुक्त स्वतंत्र लेखापरीक्षकों से नियमित अंतरालों पर आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टें अभिप्राप्त करेंगे ।
- (ii) आस्ति प्रबंध कंपनी से नियमित अंतरालों पर अनुपालन प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेंगे ।
- (iii) न्यासियों की बैठक बार-बार आयोजित करेंगे ।
- (iv) समुचित कार्रवाई के लिए न्यासियों की बैठकों में स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्टें और आस्ति प्रबंध कंपनी की अनुपालन रिपोर्टों पर विचार करेंगे ।
- (v) उनकी बैठकों में न्यासियों के विनिश्चयों के और बैठकों के कार्यवृत्तों के अभिलेख बनाए रखेंगे ।
- (vi) न्यासियों, आस्ति प्रबंध कंपनी और इसके कार्मिक द्वारा सदाचार संहिता विहित करेंगे और पालन करेंगे ।
- (vii) आस्ति प्रबंध कंपनी को लिखित रूप से कमियों और कमियों के सुधार पर पड़ताल की संसूचना देंगे ।

“(26) उप-विनियम (1) से (25) में अतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, न्यासी सद्भावपूर्वक किये गये कार्यों के लिए दायी नहीं होंगे यदि उन्होंने ईमानदारी से पर्याप्त सम्यक् तत्परता बरती हो ।”

“(27) न्यासियों या आस्ति प्रबंध कंपनी के स्वतंत्र निदेशक निम्नलिखित पर, जो भी लागू हो, विनिर्दिष्ट रूप से ध्यान देंगे, अर्थात् :-

- (i) विनिधान प्रबंध करार और करार के अधीन संदत्त प्रतिकर ।
- (ii) सहबद्धों के साथ सेवा संविदाएँ - क्या आस्ति प्रबंध कंपनी ने उन्हीं सेवाओं के लिए बाहरी संविदाकारों से उच्चतर फीस प्रभारित की है ।
- (iii) आस्ति प्रबंध कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों का चयन ।
- (iv) सहबद्धों को अंतर्वर्तित करनेवाले प्रतिभूति संव्यवहार उस विस्तार तक जिस तक ऐसे संव्यवहार अनुज्ञात हैं ।
- (v) स्वतंत्र निदेशकों के पदों को भरने के लिए व्यक्तियों का चयन करना और नामनिर्देशित करना ।

- (vi) वैयक्तिक प्रतिभूति संव्यवहारों के संबंध में अंतरंगों द्वारा कपटपूर्ण, धोखे में डालने वाले या छलसाधक व्यवहारों को रोकने के लिए सदाचार संहिता परिकल्पित की जानी चाहिये ।
- (vii) प्रायोजकों, आस्ति प्रबंध कंपनी और उपलब्ध सेवाओं के लिए किन्हीं अन्यो को संदत्त फीसों की युक्तियुक्तता ।
- (viii) मुख्य हामीदारी संविदाएँ और उनके नवीकरण ।
- (ix) आस्ति प्रबंध कंपनी के सहयुक्तों के साथ कोई सेवा संविदा ।”

3. विनियम 21 में, उप-विनियम (1) में, खण्ड (च) में, विद्यमान स्पष्टीकरण के लिए, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

“स्पष्टीकरण: इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए, “शुद्ध मिल्कियत” से आस्ति प्रबंध कंपनी की समादत्त पूँजी और खुली आरक्षितियों का योग अभिप्रेत है उनसे प्रकीर्ण व्यय उस विस्तार तक जो बट्टे खाते नहीं डाले गये अथवा समायोजित नहीं किये गये या आस्थगित राजस्व व्यय, अमूर्त आस्तियों और संचित हानियों की कटौती करने के पश्चात् ।”

4. विनियम 22 में, खण्ड (ड) में, निम्नलिखित परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“परंतु यह कि असीमित अवधि वाली स्कीम के मामले में, यूनिटधारकों की सहमति आवश्यक नहीं होगी यदि :

- (i) नियंत्रण में परिवर्तन यूनिटों के आबंटन की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् होता है ।
- (ii) यूनिटधारकों को व्यक्तिगत संसूचना भेजते हुए आस्ति प्रबंध कंपनी के नियंत्रक हित में प्रस्तावित परिवर्तन के बारे में सूचित किया जाता है और राष्ट्रव्यापी परिचालन वाले एक अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में तथा प्रदेश जहाँ पारस्परिक निधि का प्रधान कार्यालय स्थित है की भाषा में प्रकाशित समाचारपत्र में विज्ञापन दिया जाता है ।
- (iii) यूनिटधारकों को वर्तमान शुद्ध आस्ति मूल्य पर निकास करने का विकल्प बिना किसी निकास-भार के दिया जाता है ।

5. विनियम 24 में, उप-विनियम (2) में, शब्दों “प्रबंधन एवं सलाहकार,” के पूर्व शब्द “संविभाग प्रबंधन सेवाएँ” अन्तःस्थापित किये जाएँगे ।

6. विनियम 25 में, उप-विनियम (8) में, निम्नलिखित परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, विद्यमान परंतुक के पश्चात्, अर्थात् :

“परंतु यह और कि पारस्परिक निधियों अर्ध-वार्षिक और वार्षिक परिणामों की घोषणा करते समय प्रकट करेगी :

- (i) पारस्परिक निधियों की स्कीमों द्वारा सहयुक्त कंपनियों की प्रतिभूतियों के निर्गम की बाबत जिम्मा ली हुई कोई हामीदारी बाध्यताएँ,
- (ii) न्यागमन, यदि कोई हो,
- (iii) सहयुक्त कंपनियों द्वारा अग्रणी प्रबंधित निर्गमों में स्कीमों द्वारा अभिदान,
- (iv) निजी स्थानन आधार पर इक्विटी या ऋण के किसी निर्गम को अभिदान जहाँ प्रायोजक या इसकी सहयुक्त कंपनियों ने व्यवस्थापक या प्रबंधक के रूप में कार्य किया हो ।”

विनियम 45 में, परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“परंतु यह कि पारस्परिक निधियाँ प्रतिरक्षा और संविभाग संतुलन के प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नी संव्यवहार करेंगी, बोर्ड द्वारा जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार ।”

तीसरी अनुसूची में, खण्ड 19 के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड 20, 21 और 22 अन्तःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :

“20. न्यास विलेख कथन करेगा कि न्यासियों की बैठक प्रत्येक तीन मास में कम से कम एक बार आयोजित की जायेगी और ऐसी कम से कम चार बैठकें प्रत्येक वर्ष में आयोजित की जायेंगी ।

21. न्यास विलेख न्यासियों की बैठक के लिए गणपूर्ति विनिर्दिष्ट करेगा ।

परंतु यह कि न्यासियों की बैठक के लिए गणपूर्ति नियत नहीं होगी जब तक कि एक स्वतंत्र न्यासी या निदेशक बैठक में उपस्थित न हों।

22. न्यास विलेख कथन करेगा कि न्यासियों की न्यूनतम संख्या चार होगी ।”

9. पाँचवी अनुसूची में, विद्यमान खण्ड 7 के पश्चात्, निम्नलिखित नये खण्ड 8, 9 और 10 परिवर्धित किये जाएँगे, अर्थात् :

“8. न्यासी और आस्ति प्रबंध कंपनी उनके सभी व्यौहारों में और उनके कारबार के संचालन में सत्यनिष्ठा और औचित्य के उच्च मानकों को बनाये रखेंगे ।

9. न्यासी और आस्ति प्रबंध कंपनी सभी समयों पर सेवा के उच्च मानक बनायेंगे, सम्यक् तत्परता बरतेंगे, समुचित सतर्कता सुनिश्चित करेंगे और स्वतंत्र वृत्तिक विवेकबुद्धि का प्रयोग करेंगे ।

10. आस्ति प्रबंध कंपनी कोई अतिशयोक्त कथन नहीं करेगी, चाहे मौखिक या लिखित, या तो उनकी अर्हताओं या विनिधान प्रबंध सेवाएँ देने में सामर्थ्य या उनकी उपलब्धियों के बारे में ।”

10. छठी अनुसूची में,

(i) खण्ड 6 में, निम्नलिखित वाक्य अंत में परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“कोई विज्ञापन जो निधि के संपादन के बारे में दावे करता है सुसंगत अंकों द्वारा समर्थित होगा ।”

(ii) खण्ड 12 में, निम्नलिखित वाक्य अंत में परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“संपादन, शुआमू, प्राप्ति या प्रतिफलों संबंधी जानकारी अंतर्विष्ट करने वाला कोई विज्ञापन पिछले तीन वर्षों के लिए ऐसे आँकड़े देगा, जहाँ भी लागू हो ।”

(iii) विद्यमान खण्ड 14 के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड 14क और 14ख परिवर्धित किये जायेंगे, अर्थात् :

“14क. प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट किसी जानकारी का प्रत्युत्पादन करने वाला या प्रत्युत्पादन करने के लिए तात्पर्यित कोई विज्ञापन ऐसी जानकारी का पूर्णतः प्रत्युत्पादन करेगा और सभी सुसंगत तथ्य प्रकट करेगा और उस मद से संबंधित उद्धरण चयन करने तक निर्बंधित नहीं होगा जो भ्रामक हो सकेगी ।”

“14ख. कोई भी प्रसिद्ध-जन विज्ञापन का भाग नहीं होंगे ।”

11. सातवीं अनुसूची में,

(i) विद्यमान खंड 1 के लिए, निम्नलिखित खंड 1 और 1क प्रतिस्थापित किये जाएँगे, अर्थात्:

“1. पारस्परिक निधि स्कीम एकल निर्गमकर्ता द्वारा जारी उन ऋण लिखतों में इसके शुआमू के 15% से अधिक विनिधान नहीं करेगी जिनकी रेटिंग अधिनियम के अधीन ऐसा क्रियाकलाप करने के लिए प्राधिकृत साख निर्धारण एजेंसी द्वारा विनिधान श्रेणी के

नीचे न की गयी हो। ऐसी विनिधान सीमा न्यासी बोर्ड और आस्ति प्रबंध कंपनी बोर्ड के पूर्विक अनुमोदन से स्कीम के शुआमू के 20% तक विस्तारित की जा सकेगी।

परंतु यह कि ऐसी सीमा सरकारी प्रतिभूतियों और मुद्रा बाज़ार लिखतों में विनिधान के लिए लागू नहीं होगी।”

“1क. पारस्परिक निधि स्कीम एकल निर्गमकर्ता द्वारा जारी रेटिंग न की हुई ऋण लिखतों में इसके शुआमू के 10% से अधिक विनिधान नहीं करेगी और ऐसी लिखतों में कुल विनिधान स्कीम के शुआमू के 25% से अधिक नहीं होगा। सभी ऐसे विनिधान न्यासी बोर्ड और आस्ति प्रबंध कंपनी बोर्ड के पूर्विक अनुमोदन से किए जाएँगे।”

(ii) खण्ड 6 में, परंतुक परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :

“परंतु यह कि पारस्परिक निधियाँ प्रतिरक्षा और संविभाग संतुलन के प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नी संव्यवहार करेंगी, बोर्ड द्वारा जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार।”

(iii) विनियम 9 में -

- (क) शब्द ‘स्कीम’, शब्दों ‘कोई पारस्परिक निधि’ के पश्चात् परिवर्धित किया जायेगा।
- (ख) शब्द ‘पारस्परिक निधि की सभी स्कीमों की’ हटा दिये जाएँगे।

(iv) विद्यमान खंड 9 के पश्चात्, निम्नलिखित नये खंड 10 और 11 परिवर्धित किए जाएँगे, अर्थात् :

“10. कोई पारस्परिक निधि स्कीम इसके शुआमू के 10 प्रतिशत से अधिक किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों या इक्विटी संबद्ध लिखतों में विनिधान नहीं करेगी।

परंतु यह कि, 10 प्रतिशत की सीमा सूचकांक निधि या सेक्टर या उद्योग विनिर्दिष्ट स्कीम में विनिधानों के लिए लागू नहीं होगी।”

“11. पारस्परिक निधि स्कीम असीमित अवधि वाली स्कीम की दशा में इक्विटी शेयरों या इक्विटी संबद्ध विनिधानों में इसके शुआमू के 5% और सीमित अवधि वाली स्कीम की दशा में इसके शुआमू के 10% से अधिक विनिधान नहीं करेगी।

[फा.सं. भाप्रविबो/विधि/21876/99]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :

- (1) मूल विनियम, भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 तारीख 6 दिसम्बर, 1996 के का.आ. सं. 856(अ) के अधीन जारी हुआ था, तारीख 9 दिसम्बर, 1996 के भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3(ii) में प्रकाशित हुआ था ।
- (2) भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 तत्पश्चात् भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1997 द्वारा संशोधित, का.आ. सं.327 (अ) के अधीन जारी हुआ था, तारीख 15 अप्रैल, 1997 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था ।
- (3) भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 तत्पश्चात् भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1998 द्वारा संशोधित, का.आ. सं.32(अ) के अधीन जारी हुआ था, तारीख 12 जनवरी, 1998 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 8th December, 1999

**Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds)
(Amendment) Regulations, 1999**

S.O. 1223(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulation further to amend the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, namely:

- I.
 1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1999.
 2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- II. In the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, (hereinafter referred to as the said regulations),-
 1. In regulation 2, for clause (y) the following clause be substituted, namely;

"(y) 'Trustees' mean the Board of Trustees or the Trustee Company who hold the property of the Mutual Fund in trust for the benefit of the unitholders."

2. In regulation 18,

(a) for sub-regulation (11), the following sub-regulation shall be substituted, namely;

"(11) Each trustee shall file the details of his transactions of dealing in securities with the Mutual Fund on a quarterly basis."

(b) in sub-regulation (15), in clause (d), the following proviso shall be inserted after the existing proviso and before the explanation, namely:

"Provided further that in case of an open ended scheme, the consent of the unitholders shall not be necessary if:

- (i) the change in fundamental attribute is carried out after one year from the date of allotment of units.
- (ii) the unitholders are informed about the proposed change in fundamental attribute by sending individual communication and an advertisement is given in English daily newspaper having nationwide circulation and in a newspaper published in the language of the region where the head office of the mutual fund is situated.
- (iii) the unitholders are given an option to exit at the prevailing Net Asset Value without any exit load."

(c) after sub-regulation (24), the following sub-regulations (25), (26) and (27) shall be inserted, namely:

"(25) Trustees shall exercise due diligence as under:

A. General Due Diligence:

- (i) the Trustees shall be discerning in the appointment of the directors on the Board of the asset management company.
- (ii) Trustees shall review the desirability of continuance of the asset management company if substantial irregularities are observed in any of the schemes and shall not allow the asset management company to float new schemes.
- (iii) The trustee shall ensure that the trust property is properly protected, held and administered by proper persons and by a proper number of such persons.
- (iv) The trustee shall ensure that all service providers are holding appropriate registrations from the Board or concerned regulatory authority.
- (v) The Trustees shall arrange for test checks of service contracts.

- (vi) Trustees shall immediately report to Board of any special developments in the mutual fund.

B. Specific Due Diligence:

The Trustees shall:

- (i) obtain internal audit reports at regular intervals from independent auditors appointed by the Trustees.
- (ii) obtain compliance certificates at regular intervals from the asset management company.
- (iii) hold meeting of trustees more frequently.
- (iv) consider the reports of the independent auditor and compliance reports of asset management company at the meetings of trustees for appropriate action.
- (v) maintain records of the decisions of the Trustees at their meetings and of the minutes of the meetings.
- (vi) prescribe and adhere to a code of ethics by the Trustees, asset management company and its personnel.
- (vii) communicate in writing to the asset management company of the deficiencies and checking on the rectification of deficiencies."

"(26) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1) to (25), the trustees shall not be held liable for acts done in good faith if they have exercised adequate due diligence honestly."

"(27) The independent directors of the trustees or asset management company shall pay specific attention to the following, as may be applicable, namely:-

- (i) the Investment Management Agreement and the compensation paid under the agreement.
- (ii) service contracts with affiliates - whether the asset management company has charged higher fees than outside contractors for the same services.
- (iii) selection of the asset management company's independent directors
- (iv) securities transactions involving affiliates to the extent such transactions are permitted.
- (v) selecting and nominating individuals to fill independent directors vacancies.

- (vi) code of ethics must be designed to prevent fraudulent, deceptive or manipulative practices by insiders in connection with personal securities transactions.
- (vii) the reasonableness of fees paid to sponsors, asset management company and any others for services provided.
- (viii) principal underwriting contracts and their renewals.
- (ix) any service contract with the associates of the asset management company."

2. In Regulation 21, in sub-regulation (1), in clause (f), for the existing explanation, the following explanation shall be substituted, namely:

"Explanation: For the purposes of this clause, "net worth" means the aggregate of the paid up capital and free reserves of the asset management company after deducting therefrom miscellaneous expenditure to the extent not written off or adjusted or deferred revenue expenditure, intangible assets and accumulated losses."

3. In Regulation 22, in clause (e), the following proviso shall be added, namely :

"Provided that in case of an open ended scheme, the consent of the unitholders shall not be necessary if:

- (i) the change in control takes place after one year from the date of allotment of units.
- (ii) the unitholders are informed about the proposed change in the controlling interest of asset management company by sending individual communication and an advertisement is given in one English daily newspaper having nationwide circulation and in a newspaper published in the language of the region where the head office of the mutual fund is situated.
- (iii) the unitholders are given an option to exit at the prevailing Net Asset Value without any exit load."

4. In Regulation 24, in sub-regulation (2), the words “portfolio management services”, shall be inserted after the words “in the nature of” and before the words “management and advisory”.

5. In Regulation 25, in sub-regulation (8), the following proviso shall be added, after the existing proviso, namely :

“Provided further that the mutual funds shall disclose at the time of declaring half-yearly and yearly results;

- (i) any underwriting obligations undertaken by the schemes of the mutual funds with respect to issue of securities associate companies,
- (ii) devolvement, if any,
- (iii) subscription by the schemes in the issues lead managed by associate companies
- (iv) subscription to any issue of equity or debt on private placement basis where the sponsor or its associate companies have acted as arranger or manager.”

6. In regulation 45, a proviso shall be added, namely:

"Provided that mutual funds shall enter into derivatives transactions in a recognised stock exchange for the purpose of hedging and portfolio balancing, in accordance with the guidelines issued by the Board."

7. In the Third Schedule, after clause 19, the following clauses 20, 21 and 22 shall be inserted, namely:

"20. The trust deed shall state that a meeting of the trustees shall be held at least once in every three months and at least four such meetings shall be held in every year.

21. The trust deed shall specify the quorum for a meeting of the trustees.

Provided that the quorum for a meeting of the trustees shall not be constituted unless one independent trustee or director is present at the meeting.

22. The trust deed shall state that the minimum number of trustees shall be four."

8. In Fifth Schedule, after existing clause 7, the following new clauses 8, 9 and 10 shall be added, namely:

“8. Trustees and the asset management company shall maintain high standards of integrity and fairness in all their dealings and in the conduct of their business

9. Trustees and the asset management company shall render at all times high standards of service, exercise due diligence, ensure proper care and exercise independent professional judgement.

10. The asset management company shall not make any exaggerated statement, whether oral or written, either about their qualifications or capability to render investment management services or their achievements.”

9. In Sixth Schedule,

(i) in clause 6, the following sentence shall be added at the end, namely:

“Any advertisement that makes claims about the performance of the fund shall be supported by relevant figures.”

(ii) in clause 12, the following sentence shall be added at the end, namely:

“Any advertisement containing information regarding performance. NAV, yield or returns shall give such data for the past three years, wherever applicable.”

(iii) after existing clause 14, the following clauses 14A and 14B shall be added, namely :

“14A. Any advertisement reproducing or purporting to reproduce any information contained in a offer document shall reproduce such information in full and disclose all relevant facts and not be restricted to select extracts relating to that item which could be misleading.”

“14B. No celebrities shall form part of the advertisement.”

10. In the Seventh Schedule,

(i) for the existing clause 1, the following clauses 1 and 1A, shall be substituted, namely :

“1. A mutual fund scheme shall not invest more than 15% of its NAV in debt instruments issued by a single issuer which are rated not below investment grade by a credit rating agency authorised to carry out such activity under the Act. Such investment limit may be extended to 20% of the NAV of the scheme with the prior approval of the Board of Trustees and the Board of asset management company.

Provided that such limit shall not be applicable for investments in government securities and money market instruments”.

“1A. A mutual fund scheme shall not invest more than 10% of its NAV in unrated debt instruments issued by a single issuer and the total investment in such instruments shall not exceed 25% of the NAV of the scheme. All such investments shall be made with the prior approval of the Board of Trustees and the Board of asset management company.”

(ii) in clause 6, a proviso shall be added, namely:

“Provided that mutual funds shall enter into derivatives transactions in a recognised stock exchange for the purpose of hedging and portfolio balancing, in accordance with the guidelines issued by the Board.”

(iii) in clause 9 -

(a) the word “scheme” shall be added after the words “mutual fund” and before the words “shall make”,

(b) the words “of all the schemes of a mutual fund ” shall be deleted.

(iv) after the existing clause 9, the following new clauses 10 and 11 shall be added, namely :

“10. No mutual fund scheme shall invest more than 10 per cent of its NAV in the equity shares or equity related instruments of any company.

Provided that, the limit of 10 per cent shall not be applicable for investments in index fund or sector or industry specific scheme”.

“11. A mutual fund scheme shall not invest more than 5% of its NAV in the equity shares or equity related investments in case of open ended scheme and 10% of its NAV in case of close ended scheme”.

[F.No. SEBI/LE/21876/99]

D.R. MEHTA, Chairman

Foot Note:

- (1) The principal regulation, SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996, was issued under S.O. No. 856(E), dated December 6, 1996 published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii), dated December 9, 1996.
- (2) SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 was subsequently amended by the SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1997, issued under S.O. NO. 327 (E), published in Gazette of India dated April 15, 1997.
- (3) SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 was subsequently amended by the SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1998, issued under S.O. No. 32(E), published in the Gazette of India dated January 12, 1998.

